राजभवन देहरादून में आयोजित भारत के विविध राज्यों के स्थापना दिवस पर माननीय राज्यपाल महोदय का संबोधन।

(दिनांक 28 अक्टूबर, 2024)

जय हिन्द!

आज के इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। आज हम सभी यहां विविध राज्यों के स्थापना दिवस को मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। दिवाली पर्व के मद्देनजर हम सभी ने राज्यों के स्थापना दिवसों को पहले मनाने का निर्णय लिया है। मैं आप सभी को राज्यों के स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

राज्यों के स्थापना दिवसों का मनाना हमें भारत की सांस्कृतिक विविधता को संजोने में हमें हमारे अतीत की याद दिलाता है। विकसित भारत का सपना आज भी हर एक भारतीय के हृदय में है, हम दुनिया के विकसित राष्ट्रों के साथ एक भव्य दिव्य भारत की संकल्पना के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

आज का दिन में बताता है कि हमारे देश के लोगों में अपने सामाजिक उन्नति की दिशा में कितनी गहरी लालसा थी, जो आज विकसित भारत के संकल्पों को सच कर रही है।

अनेक राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के गठन का यह दिन हमारे लिए एक संकल्प और एकता की शक्ति लेकर आता है। हमें इस बात की बहुत खुशी है कि आज के इस उत्सव को हम 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के महान संकल्प के साथ मना रहे हैं। यह एक बड़ा ऐतिहासिक निर्णय है, जब पूरे देश में सभी राजभवनों से सभी प्रदेशों के स्थापना दिवस समारोह आयोजित

किये जा रहे हैं। ये समारोह हमारी ताकत का परिचायक है। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना हमारी सदियों पुरानी एकता की शक्ति को बल देने वाली है।

आप सब जानते होंगे, राज्य स्थापना दिवस को मनाने के अवसर पर हम देश की सांस्कृतिक विविधता और परंपराओं को समझने की कोशिश करते हैं। यह दूसरा अवसर है जब हम लोग एक बार फिर से सभी राज्यों के स्थापना दिवसों को मना रहे हैं। गत वर्ष से प्रारंभ हुई यह पहल निरंतर हमें एक सूत्र में बांध रही है और हमें एक दूसरे की संस्कृति, रहन–सहन, वेशभूषा और खान–पान को साझा किए जाने का अवसर मिल रहा है।

हमारे हर एक राज्य की एक विशिष्ट पहचान है, हर एक राज्य की एक भाषा, विविधतापूर्ण कला और संस्कृति है। यह विविधता भारत की ताकत है। यह सतरंगी इन्द्रधनुष के रंगों से भरा है। आज हम अपने भारत देश को जैसा देखते हैं, वैसा यह एक दिन में नहीं बना। आजादी के बाद देश में कई बदलाव और राजनीतिक संशोधन हुए।

भारत के मौजूदा 28 राज्य और 08 केन्द्र शासित प्रदेश भी एक दिन में नहीं बने थे, कई राज्यों का गठन समय के साथ बाद में किया जाता रहा।

भारत का हर राज्य अपनी अनूठी संस्कृति और जनसांख्यिकी के लिए जाना जाता है। इन्हीं कारकों को ध्यान में रखते हुए अलग–अलग समय में विभिन्न राज्यों का गठन किया गया।

31 अक्टूबर लद्दाख की स्थापना दिवस और 01 नवंबर को मध्य प्रदेश, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, हरियाणा, पंजाब, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु राज्य अपना स्थापना दिवस मनाएंगे।

इसी दिन दिल्ली, चंडीगढ़, पुडुचेरी, लक्षद्वीप और अंडमान–निकोबार केंद्र शासित प्रदेश भी अपना स्थापना दिवस मनाएगें।

मुझे लगता है कि इन राज्यों की स्थापना के विषय में हमें जानना चाहिए कि हमारी विविधतापूर्ण संस्कृति की महानतम शक्ति क्या है।

31 अक्टूबर और 01 नवंबर 1956 भारत के नये राज्यों की नयी आकांक्षाओं का परिचय कराता है। विविधता पूर्ण भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए यह दिन एक महत्वपूर्ण स्मारक है। कई जन आंदोलन और बलिदानों के बाद मद्रास प्रेसीडेंसी से अलग होकर आज ही के दिन आंध्र प्रदेश राज्य का जन्म हुआ था।

उसी दिन आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और केरल का एक हिस्सा मद्रास प्रेसीडेंसी से अलग हो कर तमिलनाडु राज्य का गठन हुआ था। आज ही के दिन है जब प्राचीन मालाबार, कोचीन और त्रावणकोर प्रांतों के विलय के बाद केरल राज्य का गठन एक नये राज्य के रूप में हुआ जो आज भारत की सांस्कृतिक गौरव का ऊंचा आदर्श है।

इसी दिन मध्य प्रदेश राज्य मध्य भारत, विंध्य और भोपाल के मिलन से भारत के हृदय प्रदेश के रूप में प्रतिष्ठित है।

वहीं कर्नाटक राज्य मैसूर, बॉम्बे, मद्रास प्रेसीडेंसी के साथ–साथ हैदराबाद की रियासत के साथ मिला कर एक राज्य के रूप में प्रतिष्ठित किया गया था।

एक लम्बे अन्तराल के बाद हमारी सांस्कृतिक विविधता का विस्तार हरियाणा प्रान्त के रूप में हुआ।

01 नवंबर 1966 के दिन पंजाब से पृथक नए राज्य के रूप में हरियाणा की सीमाओं का निर्धारण हुआ था।

राज्यों की सांस्कृतिक परम्परा कला, संस्कृति, वीरता, साहस, शौर्य परम्पराएं हमें हमारी शक्ति और गौरव का स्मरण कराती है। वहीं इसी तिथि 01 नवंबर 1966 को पंजाब राज्य का गठन हुआ था जो कि 1956 में पूर्वी पंजाब राज्य के एकीकरण से निर्मित हुआ था।

01 नवम्बर 2000 को छत्तीसगढ़ राज्य की स्थाना के लिए भी याद किया जाता है। यह राज्य मध्य प्रदेश के 16 जिलों को लेकर गठित किया गया था। इस प्रकार से भारत के कई केंद्रशासित प्रदेश अपना राज्य स्थापना दिवस मनाएंगे, जिनका उदय इन्ही दिनों में हुआ था।

मैं सभी राज्य के निवासियों के निरंतर प्रगति की कामना करता हूं सभी राज्यों में खुशहाली और समृद्धि आए वाहेगुरू से यही कामना करता हूँ।

मैं आज के इस समारोह में यहां उपस्थित सभी लोगों को भारत के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के संकल्प के साथ आने वाले दीपावली पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

जय हिन्द!